Date – 1 June 2022

क्वाड देशों के प्रमुखों को भारतीय पीएम का तोहफा

- टोक्यो में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन में, भारतीय प्रधान मंत्री अपने साथ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के नेताओं को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कला रूपों को प्रदर्शित करने के लिए उपहार ले गए।

उपहार और महत्व:

अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए सांझी कला पैनल:

- जटिल सांझी कला पैनल ठकुरानी घाट पर आधारित है, जो गोकुल में पवित्र यमुना नदी के तट पर सबसे प्रसिद्ध घाटों में से एक है।
- कृष्णपंथ से उत्पन्न पारंपरिक कला रूप में देवता के जीवन की घटनाओं के आधार पर स्टैंसिल बनाना और फिर कैंची का उपयोग करके कागज की एक पतली शीट पर हाथ से काटना शामिल है।
- पुराने समय में मोटे कागज या केले के पत्तों का उपयोग करके स्टैंसिल बनाए जाते थे, लेकिन अब यह हस्तनिर्मित और पुनर्नवीनीकरण कागज में बदल गया है।
- हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार राधा, अपने प्रिय कृष्ण के लिए दीवारों पर सामान्य पैटर्न पेंट करती थीं और बाद में वृंदावन की गोपियों ने उनका अनुसरण किया।
- बाद में इसका उपयोग भगवान कृष्ण को समर्पित मंदिरों में औपचारिक रंगोली बनाने के लिए किया जाता था।
- असल में 'सांझी' शब्द 'सांझ' या शाम (शाम) से बना है और शाम के समय मंदिरों में रंगोली बनाने की प्रथा से संबंधित है।
- एक पेंटिंग के रूप में, सांझी को 15वीं और 16वीं शताब्दी में वैष्णव मंदिरों द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था और पुजारियों द्वारा इसका अभ्यास किया जाता था।
- मुगल काल के दौरान समकालीन विषयों को जोड़ा गया और कई परिवार आज भी इसका अभ्यास करते हैं।
- 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान चित्रलेख पारंपरिक आम कला से प्रेरित थे।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री के लिए गोंड आर्ट पेंटिंग:

- भारत के सबसे बड़े जनजातीय समूहों में से एक, मध्य प्रदेश में गोंड समुदाय द्वारा प्रचलित चित्रकला का एक रूप।
- कला के दृश्य अक्सर जंगगढ़ सिंह श्याम के कार्यों से प्रेरित होते हैं, जिन्होंने 1970 और 80 के दशक में पाटनगढ़ गांव में घरों की दीवारों पर आदिवासी मौखिक मिथकों और किंवदंतियों को बड़े पैमाने पर चित्रित करना शुरू किया था।
- बिंदीदार पैटर्न, दाँतेदार पैटर्न, डॉट्स, लहरें और स्कीगल उनके देवी-देवताओं के साथ-साथ मध्य प्रदेश में गहरे जंगलों के वनस्पतियों और जीवों की कहानी बताते हैं।
- प्रमुख नामों में भज्जू श्याम, वेंकट श्याम, दुर्गाबाई व्याम, राम सिंह उर्वती और सुभाष व्याम शामिल हैं।

- ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिया गया उपहार – जटिल पैटर्न और रेखाओं के साथ जीवन का वृक्ष गोंड कला शैली के लोकप्रिय रूप का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है।

जापानी प्रधानमंत्री के लिए पेंटिंग के साथ लकड़ी के हस्तनिर्मित बॉक्स:

- रोगन कपड़े की पेंटिंग का एक रूप है जिसे चार सदियों से भी अधिक पुराना माना जाता है और यह मुख्य रूप से गुजरात के कच्छ जिले में प्रचलित है।
- 'रोगन' शब्द फारसी से आया है, जिसका अर्थ है वार्निश या तेल।
- शिल्प में उबले हुए तेल और वनस्पति रंगों से बने पेंट का उपयोग किया जाता है, जहां अरंडी के बीजों को हाथ से पीसकर तेल निकाला जाता है और एक पेस्ट में उबाला जाता है।
- रंगीन पाउडर को पानी में घोलकर मिट्टी के बर्तनों में रखकर अलग-अलग रंगों का पेस्ट बनाया जाता है।
- कलाकार अपनी हथेलियों में थोड़ी मात्रा में पेंट पेस्ट रखते हैं और कपड़े पर बनावट उपस्थिति बनाने के लिए इसे रॉड से घुमाते हैं। रॉड वास्तव में कपड़े के संपर्क में नहीं आता है और इसे ऊपर ले जाकर कलाकार कपड़े पर पतली रेखाएं बनाता है।
- आमतौर पर केवल आधे कपड़े को ही रंगा और मोड़ा जाता है ताकि एक दर्पण छवि बन सके, जबकि मूल रूप से केवल पुरुष ही इस कला का अभ्यास करते थे, अब गुजरात में कई महिलाएं भी इसका पालन करती हैं।

स्वदीप कुमार

नेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पोर्टल की दूसरी वर्षगांठ

- राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता पोर्टल की दूसरी वर्षगांठ 30 मई, 2022 को मनाई गई।

पोर्टल के संबंध में:

- यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय- MeitY), राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (NeGD) और NASSCOM (NASSCOM) की एक संयुक्त पहल है।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग:

- डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (MeitY द्वारा स्थापित एक गैर-लाभकारी कंपनी) के तहत वर्ष 2009 में NeGD को एक स्वतंत्र व्यापार प्रभाग के रूप में स्थापित किया गया था।
- NASSCOM एक गैर-लाभकारी औद्योगिक संघ है जो भारत में आईटी उद्योग के लिए शीर्ष निकाय है।
- यह भारत और उसके बाहर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित समाचारों, लेखों, घटनाओं और गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के संबंध में:

- कंप्यूटर विज्ञान में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तात्पर्य कंप्यूटर, रोबोट या अन्य मशीन द्वारा मनुष्यों के समान बुद्धिमत्ता के प्रदर्शन से है।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंप्यूटर या मशीन की मानव मस्तिष्क की क्षमताओं की नकल करने की क्षमता है, जिसमें उदाहरणों और अनुभवों से सीखना, वस्तुओं को पहचानना, भाषा को समझना और प्रतिक्रिया देना, निर्णय लेना, समस्याओं को हल करना आदि शामिल हैं। संयोजन में मनुष्य आदि के समान कार्य करने की क्षमता शामिल है।
- एआई में जटिल चीजें शामिल होती हैं जैसे मशीन में विशिष्ट डेटा फीड करना और विभिन्न स्थितियों पर प्रतिक्रिया देना।
- एआई का उपयोग वित्त और स्वास्थ्य देखभाल सहित विभिन्न उद्योगों में किया जा रहा है।

YOJNA IAS

- PwC (फर्मों का एक वैश्विक नेटवर्क) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने AI के उपयोग में 45% की वृद्धि दर्ज की, जो कि कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद सभी देशों में सबसे अधिक है।

भारत में AI के उपयोग के हाल के उदाहरण:

- **COVID-19 से निपटने में:** MyGov द्वारा संचार सुनिश्चित करने के लिए AI- सक्षम चैटबॉट का उपयोग किया गया था।
- **न्यायिक प्रणाली में:** AI आधारित पोर्टल 'SUPACE' का उद्देश्य न्यायाधीशों को कानूनी शोध में सहायता करना है।
- **कृषि में:** आईसीआरआईएसएटी ने एक एआई-पावर्ड बुवाई ऐप विकसित किया है जो स्थानीय किसानों को बीज बोने के लिए सलाह देने के लिए स्थानीय फसल उपज और वर्षा पर मौसम मॉडल और डेटा का उपयोग करता है।
- **आपदा प्रबंधन में:** बिहार में लागू किए गए एआई-आधारित बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल का अब पूरे भारत में विस्तार किया जा रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि 48 घंटों के भीतर लगभग 20 करोड़ लोग बाढ़ के आसन्न जोखिम के संपर्क में हैं। पहले अलर्ट और चेतावनियां प्रदान की जा सकती हैं।
- **बैंकिंग और वित्तीय सेवा उद्योग में:** भारत में कुछ बैंकों ने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और जोखिम प्रबंधन (जैसे धोखाधड़ी का पता लगाने) में एल्गोरिदम का उपयोग करने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ाने के लिए एआई को अपनाया है।

एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई पहल:

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए राष्ट्रीय रणनीति (नीति आयोग, जून 2018) जो समावेशी एआई (सभी के लिए एआई) और नई शिक्षा नीति (एनईपी, 2020) पर केंद्रित है, जो पाठ्यक्रम, कोर में एआई को शामिल करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है और सही रणनीतिक कदम हैं अनुप्रयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करें।
- जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमटीए) ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) और आश्रम स्कूलों जैसे स्कूलों के डिजिटल परिवर्तन के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधों को बढ़ाने के लिए यूएस इंडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (USIAI) पहल शुरू की गई है।
- वर्ष 2020 में, भारत एआई के जिम्मेदार और मानव-केंद्रित विकास और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संस्थापक सदस्य के रूप में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक भागीदारी' (GPAI) में शामिल हुआ।
- 'RAISE 2020 – रिस्पॉन्सिबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 2020 फॉर सोशल एम्पावरमेंट', नीति आयोग और MeitY द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक मेगा वर्चुअल समिट।

- "युवाओं के लिए जिम्मेदार एआई" कार्यक्रम का बड़ा उद्देश्य भारत के शहरी, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मानव-केंद्रित डिजाइनर बनने के लिए सभी भारतीय युवाओं को समान अवसर प्रदान करना है जो भारत के आर्थिक और सामाजिक मुद्दों को हल करने के लिए जिम्मेदार हैं। वास्तविक एआई समाधान प्रदान कर सकते हैं।

स्वदीप कुमार

पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन

- हाल ही में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने COVID-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन' योजना के तहत विभिन्न सुविधाएं जारी की हैं।

'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन' योजना के बारे में:

- यह योजना मई 2021 में शुरू की गई थी।
- **उद्देश्य:** COVID से प्रभावित बच्चों की मदद करना और उन्हें सशक्त बनाना।
- **पात्रता:** उन सभी बच्चों को, जिन्होंने COVID-19 के कारण माता-पिता या माता-पिता या जीवित अभिभावक या कानूनी अभिभावक/दत्तक माता-पिता दोनों को खो दिया है, उन्हें 'पीएम-केयर्स फॉर चिल्ड्रन' योजना के तहत सहायता दी जाएगी।

इस योजना के मुख्य बिंदु:

- **बच्चे के नाम पर सावधि जमा:** 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले प्रत्येक बच्चे के लिए 10 लाख रुपये का एक कोष गठित किया जाएगा।

- **स्कूली शिक्षा:** 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नजदीकी केंद्रीय विद्यालय या निजी स्कूल में दिन के विद्वानों के रूप में प्रवेश दिया जाएगा।
- **स्कूली शिक्षा:** 11-18 वर्ष की आयु के बच्चों को केंद्र सरकार के किसी भी आवासीय विद्यालय जैसे सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय आदि में प्रवेश दिया जाएगा।
- **उच्च शिक्षा के लिए सहायता:** मौजूदा शिक्षा ऋण मानदंडों के अनुसार भारत में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों/उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण प्राप्त करने में बच्चे की सहायता की जाएगी।
- **स्वास्थ्य बीमा:** ऐसे सभी बच्चों को 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कवर के साथ 'आयुष्मान भारत योजना' (पीएम-जेएवाई) के तहत लाभार्थी के रूप में नामांकित किया जाएगा।

इन उपायों की आवश्यकता:

- भारत वर्तमान में COVID-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है और इस महामारी के कारण कई बच्चों के माता-पिता की मृत्यु की संख्या बढ़ रही है।
- इसके साथ ही इन बच्चों को गोद लेने की आड़ में बाल तस्करी की संभावना भी बढ़ गई है।
- COVID-19 के कारण लागू लॉकडाउन के दौरान 'बाल विवाह' से संबंधित मामलों में भी वृद्धि हुई है।

स्वदीप कुमार

YOJNA IAS